



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कानपुर, उत्तर प्रदेश



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 11-02-2025

इटवा(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-02-11 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-02-12	2025-02-13	2025-02-14	2025-02-15	2025-02-16
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	30.0	29.0	27.0	28.0	30.0
न्यूनतम तापमान(से.)	12.0	12.0	11.0	11.0	12.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	66	60	60	63
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	39	37	34	33	34
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	10	11	9	4
पवन दिशा (डिग्री)	298	304	288	289	322
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	1

मौसम सारांश / चेतावनी:

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आगामी पांच दिनों में आसमान साफ रहने के कारण बारिश की कोई संभावना नहीं है। अधिकतम तापमान 27.0-30.0°C के मध्य है, जो सामान्य से 4-5°C अधिक रहने की संभावना है तथा न्यूनतम तापमान 11.0-12.0°C के मध्य है, जो सामान्य से 1-2°C अधिक रहने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता की अधिकतम एवं न्यूनतम सीमा 60-75 तथा 33-39% के मध्य है। हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम है तथा हवा की गति 4.0-11.0 किमी प्रति घंटा के मध्य है, तथा हवा के झोंके सामान्य से 4-5 किमी प्रति घंटा अधिक रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे रबी में बोई गई फसलों एवं सब्जियों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें साथ ही जायद मक्का, उर्द एवं ग्रीष्म कालीन सब्जियों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल है। कीटनाशकों और रोगनाशी रसायनों के लिए, केवल साफ पानी से उपकरणों को धोने के लिए अलग या उपयोग करें और हवा की विपरीत दिशा में खड़े कीटनाशकों, कीटनाशकों और खरपतवारनाशकों को स्प्रे या स्प्रे न करें। छिड़काव शाम को किया जाना चाहिए, यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन या हाथ धोने से अच्छी तरह से धोना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे रबी में बोई गई फसलों एवं सब्जियों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें साथ ही जायद मक्का, उर्द एवं ग्रीष्म कालीन सब्जियों की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल है।

फसल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, किसानों को सलाह दी जाती है कि गेहूँ की फसल में तीसरी सिंचाई बुआई के 60-65 दिन बाद (गांठ बनते समय) और चौथी सिंचाई 80-85 दिन बाद (बाली निकलने के पूर्व) करें। गेहूँ की फसल में चूहों का प्रकोप दिखाई देने पर ज़िंक फास्फाइड से बने चारे अथवा एल्युमिनियम फास्फाइड की टिकिया का प्रयोग करें। चूहों की रोकथाम के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करें।
सरसों	सरसों की फसल में दूसरी सिंचाई फूल निकलने के पहले या दाना भरने की अवस्था पर करें। सरसों की फसल में माँहू, चित्रित वग एवं पत्ती सुरंगक कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु क्लोरपायरीफास 20 % ईसी 1.0 लीटर/हेक्टेयर या मोनोक्रोटोफॉस 36 % एस.एल.की 500 मिली०/हेक्टेयर की दर से 500 से 600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
फील्ड पी	मटर की फसल में फली छेदक कीटों का प्रकोप होने की संभावना है, इसलिए इसकी रोकथाम के लिए क्यूनालफॉस 25 ईसी @ 2 लीटर प्रति हेक्टेयर या इमामेक्टिन बेंजोएट 5% 180- 200 ग्राम प्रति हेक्टेयर 500 से 600 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
चना	चने की फसल में फली छेदक कीटों का प्रकोप होने की संभावना है, इसकी रोकथाम के लिए क्यूनालफॉस 25 ईसी @ 2 लीटर प्रति हेक्टेयर या इमामेक्टिन बेंजोएट 5% 180- 200 ग्राम प्रति हेक्टेयर 500 से 600 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
मक्का	जायद मक्के की संस्तुति संकुल प्रजातियां- तरुण, नवीन, माही, कंचन, गौरव,स्वेता, आजाद उत्तम एवं शंकर प्रजातियां- प्रकाश, दिकाल्ब- 7074, दिकाल्ब- 9108,दिकाल्ब- 9208, दिकाल्ब- 9141, दिकाल्ब- 9165, दिकाल्ब- 9217, पीएचबी- 8144, दक्कन 115, एम.एम.एच.-१३३ आदि में से एक किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए खाद एवं बीज की व्यवस्था कर बुवाई करें। मक्के की संकुल प्रजाति की बुवाई के लिए २०-२५ किलोग्राम बीज/हेक्टेयर तथा शंकर प्रजाति १८-२० किलोग्राम बीज / हेक्टेयर की दर से बुवाई करें।
काला चना	जायद उर्द की संस्तुति जातियां- टा-9 , नरेन्द्र उर्द-1, आजाद उर्द-1, आजाद उर्द-2, शेखर-2,सुजाता , पी यू-40 आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए खाद एवं बीज की व्यवस्था कर बुवाई करें। जायद उर्द के फसल की बुवाई के लिए २५-३० किलोग्राम बीज/हेक्टेयर की दर से बीज की बुवाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	समय से बोई गई आलू के फसल की खुदाई के लिए मौसम अनुकूल है। आलू की फसल में किसी भी प्रकार की सस्य क्रियायें न करें।
प्याज	ग्रीष्म कालीन मौसम में बोई जाने वाली सब्जियों जैसे- भिण्डी, तोरी, खीरा, करेला, लौकी एवं कद्दू आदि की बुवाई करें। प्याज के तैयार पौध की रोपाई करें तथा पौध की रोपाई के तुरंत बाद सिंचाई करें। प्याज की फसल में खरपतवार नियंत्रण हेतु पेंडीमथलीन ३०% ई.सी.3.5 लीटर दवा /हेक्टेयर रोपाई के तुरंत बाद या सिंचाई के ठीक पहले 800 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। टमाटर,मिर्च की फसल में पछेती झुलसा और बैक्टीरियल बिल्ट रोग का प्रकोप दिखाई देने पर 10 लीटर पानी में 30 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइड और 1 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइलिन का मिश्रण मिलाकर छिड़काव करें।
आम	आम के बौर में मिज कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु फेनिट्रोथियान 1.0 मिली/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आम के बागों में भुनगा एवं लस्सी कीट प्रकोप दिखाई देने के आसार है अतः इसके रोकथाम हेतु क्लोरपायरीफॉस 20 ई सी 2.0 मिलीलीटर या फेनिट्रोथियान 50 ई सी 3.0 मिलीलीटर/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	वर्तमान मौसम को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुओं को ठंड से बचाने के लिए सुबह-शाम पशुओं के ऊपर झूल डालें, जानवरों को रात के दौरान खुले में न बांधें और रात में खिड़कियों और दरवाजों पर जूट के बोरे के पर्दे लगाएं और दिन के दौरान धूप में पर्दे हटा दें। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन में ३-४ बार अवश्य पिलायें। पशुओं को साफ-सुथरे स्थान पर रखें।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को दिन में 15 से 16 घंटे प्रकाश उपलब्ध कराये। मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। चूजों को ठंड से बचाने हेतु पर्याप्त गर्मी की व्यवस्था करें।